JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue

JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)

An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ता:एक सामाजिक एवं जनसांख्यिकीय अध्ययन

रजनी बघेल[1]
शोधार्थी (समाजशास्त्र)
श्री वार्ष्णेय कॉलेज, अलीगढ़
डॉ0 भीमराव अम्बेडकर वि0वि0, आगरा (उ0प्र0)
Email : rajnibaghel321@gmail.com

डॉ0 कृष्णा अग्रवाल[2]
शोध निर्देशिका, एसोसिएट प्रोफेसर,
विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र,
श्री वार्ष्णेय कॉलेज, अलीगढ़
डॉ0 भीमराव अम्बेडकर वि0वि0, आगरा (उ0प्र0)

सार (Abstract) :–

वर्तमान युग डिजिटल क्रान्ति का युग है। इंटरनेट संसार के लोगों के लिए अनेक तरीकों से उपयोगी है। इंटरनेट का उपयोग विश्व में नवीनतम घटनाओं को जानने, बौद्धिक स्तर में वृद्धि करने, समस्याओं का त्वरित समाधान खाजने, विश्व के एक छोर से दूसरे छोर पर बैठे व्यक्तियों से संपर्क करने, भौगोलिक दूरियों को कम करने के एक प्रमुख उपकरण के रूप में जाना जाता है। इंटरनेट उपयोगकर्ता के मामले में अन्य देशों की तुलनास में भारत का दूसरा स्थान है जो सिर्फ चीन से पीछे है। विश्व में इंटरनेट उपयोगकताओं के संदर्भ में देखें तो भारत इंटरनेट के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है। नगरीय क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट के सक्रिय उपयोगकर्ताओं का प्रतिशत कम है बावजूद इसके भारत में लगातार इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या में तीव्रगति से बढ़ोत्तरी हो रही है।

प्रस्तुत अध्ययन का मुख्य उद्देश्य भारत में इंटरनेट उपयोगकताओं की संख्या का पता लगाना है। शोध अध्ययन संबंधी आंकडों का एकत्रीकरण करने हेतु द्वितीयक स्रोत जैसे शोध पत्र, इंटरनेट संबंधी आंकडे प्रकाशित करने वाली बेवसाइट, जर्नल इत्यादि का प्रयोग किया गया। आंकड़ों का विश्लेषण करने पर पाया गया कि ग्रामीण एवं नगरीय इंटरनेट उपयोगकर्ता की प्रतिशत दर समान नही है साथ ही महिला एंव पुरूष इंटरनेट उपयोगकर्ता की संख्या में भी अन्तर पाया गया।

भारत में सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या साल–दर–साल बढ़ती जा रही है जिसका कारण भारत में डिजिटल क्रांति जैसे अभियानों के अंतर्गत प्रत्येक क्षेत्र में डिजीटलीकरण पर जोरएवं इंटरनेट डाटा की सस्ती दर एवं आसान उपलब्धता भी है। इस वजह से नगरीय क्षेत्र के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है। जिससे ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों के बीच पाये जाने वाली डिजिटल डिवाइड की खाई कम होती जा रही है।

संकेत शब्द– इंटरनेट, डिजिटल डिवाइड, ग्रामीण एवं नगरीय इंटरनेट उपयोगकर्ता, मोबाइल इंटरनेट उपयोगकर्ता।

प्रस्तावना –

इंटरनेट एक–दूसरे से जुडे कई कम्प्यूटरों का जाल है जो राउटर एवं सर्वर के माध्यम से विश्व के किसी भी कम्प्यूटर को आपस में जोड़ता है। दूसरे शब्दों में कहें तो संचार एवं सूचनाओं के आदान–प्रदान करने के लिये टीसीपी/आईपी के माध्यम से दो कम्प्यूटरों के बीच स्थापित संबंधों को इंटरनेट कहते हैं। इंटरनेट विश्व का सबसे बड़ा नेटवर्क है, जिसके द्वारा सूचनाओं का आदान–प्रदान, ज्ञान में वृद्धि, विश्व के किसी भी कौने में बैठे लोगों के बीच संचार अथवा बातचीत करना संभव हुआ है।

सर्वप्रथम लियोनार्ड क्लेराक ने इंटरनेट बनाने की योजना बनाई। इसके बाद 1962 में जे0सी0आर0 लिक्लाइडर एवं राबर्ट टेलर ने एक दूसरे की सहायता से एक नेटवर्क बनाया जिसका नाम ARPANET (Advanced Research Projects Agency Network) था।[1] सबसे पहले सन् 1969 में अमेरिका के रक्षा विभाग में ARPA(Advance Research Project Agency) नाम का नेटवर्क बनाया गया जिसका उपयोग गुप्त सूचनाओं को भेजने के लिये किया गया।

विश्व में इंटरनेट का आना और फैलना ARPA की ही देन है। इसके बाद से लगातार इस नेटवर्क सिस्टम को बेहतर से बेहतर बनाने का कार्य चलता रहा। सन् 1973 में ARPANET को PACKET RADIO से जोड़ने का कार्य किया गया। पैकेट रेडियो एक डिजिटल रेडियो संचार मोड है जिसका उपयोग डाटा के पैकेट भेजने हेतु किया जाता है। इसका उपयोग डाटा को लबी दूरी तक संचारित करने के लिए किया जाता है। दो कम्प्यूटर को आपस में जोड़ने के लिए रेडियो ट्रासंमीटर और रिसिवर का प्रयोग किया जाता है इस वजह से इसमें फोन लाइन या वायर की आवश्यकता नही होती। इसके द्वारा ही दो कम्प्यूटर को एक नेटवर्क के जरिये जोड़ा गया। इसके बाद ARPANET और PRNET को SETNET (सैटेलाइट नेटवर्क) से जोड़ दिया जोकि दुनिया को जोड़ने के लिए काफी जरूरी था। इस तरह से उस वक्त विश्वभर के बहुत सारे नेटवर्क को एक साथ जोड़ा गया

था। इसी वजह से इसका नाम Inter-Networking रखा। इसी इंटर नेटवर्किंग को वर्तमान में शार्ट–फार्म में लोगों द्वारा इंटरनेट कहा गया।

भारत में इंटरनेट का उद्भव एवं विकास :–

इंटरनेट मानव के सबसे उपयोगी नवाचारों में से एक है। सूचना एंव संचार, जानकारी का प्रसार एवं पुनः प्राप्ति का एक शक्तिशाली साधन है। यह नेटवर्क का जाल है जो कम समय में ही दुनिया में फैल गया। इसके द्वारा लगभग सभी विषय में, जानकारी उपलब्ध है, साथ ही यह प्रतिदिन की प्रत्येक समस्या का त्वरित समाधान करने और प्रश्नों के उत्तर प्रदान करने के साथ सहज एंव आभासी पहुॅच प्रदान करता है।

दुनियाभर में करोड़ों उपयोगकर्ताओं द्वारा इसका उपयोग एक–दूसरे को सूचनाएं साझा करने, प्राप्त करने और संप्रेषित करने के लिये किया जाता है। विश्व के किसी भी कौने में बैठे व्यक्ति इसके द्वारा आपस में बातचीत कर सकते हैं साथ ही यह भौगोलिक दूरियों को कम करने के माध्यम के रूप भी उभरा है। इसके द्वारा एक बटन दबाकर घर बैठे किसी भी विषय पर जानकारी हासिल की जा सकती है। इसके द्वारा एक भौतिक पुस्तकालय की अवधारणा को आभासी पुस्तकालय में बदल दिया गया है।

भारत में इंटरनेट सेवा को 15 अगस्त 1995 को विदेश संचार निगम लिमिटेड द्वारा (वीएसएनएल) द्वारा शुरू किया गया।[2] जिससे आम नागरिकों द्वारा इंटरनेट का उपयोग किया जा सके। शुरूआत के कुछ वर्षों तक इंटरनेट की पहुॅच आम आदमी तक काफी धीमी रही। भारत सरकार द्वारा नवम्बर 1998 में निजी आपरेटरों को इंटरनेट सेवाओं को उपलब्ध कराने के लिए मौका दिया गया साथ ही इंटरनेट की पहुॅच बढ़ाने के लिए उदार इंटरनेट प्रदाता कम्पनियों को अवसर प्रदान किये गये जिससे इन सब कम्पनियों में प्रतिस्पर्धा की स्थिति रही और इंटरनेट उपयोगकर्ता की संख्या में जबरदस्त वृद्धि देखने को मिली।

अध्ययन के उद्देश्य :–

प्रस्तुत शोध अध्ययन में वैश्विक स्तर पर इंटरनेट उपयोगकताओं की स्थिति एंव भारत के संदर्भ में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं संबंधी आंकडों को जानना तथा उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर विश्लेषण करके इंटरनेट उपयोगकर्ता की वास्तविक संख्या जानना, महिला एवं पुरूष (लिंग आधारित) ग्रामीण एवं नगरीय (क्षेत्र आधारित) एवं कुल इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में से सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ता की पहचान करना।

शोध पद्धति :–

प्रस्तुत शोध पत्र की आवश्यकतानुसार एक संसाधनों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए शोध अध्ययन हेतु आंकड़ों का संग्रह द्वितीयक स्रोतों जैसे इंटरनेट संबंधी डाटा प्रकाशित करने वाली बेवसाइट्स, प्रकाशित सरकारी आँकडों आदि का प्रयोग किया गया। कुल एकत्रित आँकड़ों के आधार पर विश्व में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में संख्या एवं भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ता संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण करके तथ्यों को प्रस्तुत किया गया। ग्रामीण एवं नगरीय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं का विश्लेषण किया गया।

इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या– एक वैश्विक परिदृश्य

जनवरी 2021 तक दुनिया भर में 4.66 अरब सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ता थे। जो वैश्विक जनसंख्या का लगभग 59.5 प्रतिशत हैं। इसमें से 92.6 प्रतिशत (4.32 अरब) ने मोबाइल के माध्यम से इंटरनेट का उपयोग किया।[3]

इंटरनेट उपयोगकर्ता	अरब में
सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ता	4.66
सक्रिय मोबाइल इंटरनेट उपयोगकर्ता	4.32

विश्व में इंटरनेट उपयोग संबंधी आंकड़ों से स्पष्ट है कि विश्व में सर्वाधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता चीन में हैं, उसके बाद भारत का स्थान है। भारत में लगभग आधी से अधिक आबादी इंटरनेट का उपयोग करती है, इसके बाद अन्य देशों का नंबर आता है।[4]

विश्व में स्थान	देश	इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या (लाखों में)
1.	चीन	1000.02
2.	भारत	658.00
3.	संयुक्त राज्य अमेरिका	307.2
4.	इंडोनेशिया	204.7
5.	ब्राजील	165.3
6.	रूस	129.8
7.	जापान	118.3
8.	नाइजीरिया	109.2
9.	मैक्सिको	96.87
10.	जर्मनी	78.02
11.	फिलिपींस	76.01
12.	मिस्र	75.66
13.	वियतनाम	72.1
14.	ईरान	71.94
15.	तुर्की	69.95
16.	यूनाईटेड किंगडम	66.99
17.	फ्रांस	60.92
18.	थाईलैण्ड	54.5
19.	बांग्लादेश	52.58
20.	इटली	50.85

विश्व में इंटरनेट उपयोग संबंधी आंकड़े एवं तथ्य :–

विश्व में इंटरनेट एक–दूसरे के साथ जुड़ने, जानकारी एवं ज्ञान के प्रवाह को व्यवस्थित रखने और जानकारी साझा करने के तरीकों को बनाये रखता है। वैश्वीकरण और बड़ी–बड़ी अर्थव्यवस्थाओं पर इसके बढ़ते प्रभाव के साथ, इंटरनेट हमारे दिन–प्रतिदिन के जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग बन गया है। 2020 के अंत तक विश्व में कुल इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 4.9 अरब थी। जिसका अर्थ है कि वैश्विक आबादी का लगभग दो तिहाई आबादी वर्तमान में वर्ल्डवाइड वेब से जुड़ा है। परन्तु लगातार होते परिवर्तन के दौर में जब दुनिया के कई हिस्सों में डिजिटल आबादी तेजी से बढ़ रही है। तब इंटरनेट तक पहुॅच, उपयोग और उपलब्धता के आधार पर विभिन्न देशों में डिजिटल जनसंख्या के आंकड़ों में काफी भिन्नता देखने की मिल रही है। आंकड़ों पर नजर डालें तो सर्वाधिक इंटरनेट उपयोगकर्ताओं वाला देश चीन है। उत्तरी यूरोप ऐसा क्षेत्र है जहॉ इंटरनेट तक पहुॅच बनाने वाली जनसंख्या की वृद्धि दर 98 प्रतिशत है। वैश्विक इंटरनेट प्रतिशत दर 62.5 प्रतिशत है। इसके साथ ही विश्व में सर्वाधिक इंटरनेट उपयोगकर्ताओं वाला आयु वर्ग 25–34 वर्ष है। इंटरनेट पर सबसे ज्यादा उपयोग की जाने वाली भाषा अंग्रेजी है। विश्व में प्रतिव्यक्ति इंटरनेट पर बिताया गया औसत दैनिक समय 170 मिनट है जबकि विश्व में सोशल मीडिया पर बिताया गया, औसत दैनिक समय 147 मिनट है, विश्व के अलग–अलग देशों में औसत समय भिन्न–भिन्न हो सकता है। विश्व में कुल वेब ट्रैफिक में मोबाइल इंटरनेट का हिस्सा 56.89 प्रतिशत है। विश्व में उच्चतम मोबाइल इंटरनेट उपयोगकर्ता प्रतिशत वाला देश बहरीन है।[5]

विश्व में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या	4.9 अरब
सर्वाधिक इंटरनेट उपयोगकर्ताओं वाला देश	चीन (1.02 विलियन)
उच्चतम इंटरनेट पहुॅच दर वाला क्षेत्र	उत्तरी यूरोप (98%)

वैश्विक इंटरनेट प्रतिशत दर	62.5%
विश्व में सर्वाधिक इंटरनेट उपयोगकर्ताओं वाला आयुवर्ग	25–34 वर्ष
इंटरनेट पर सबसे अधिक उपयोग की जाने वाली भाषा	अंग्रेजी
विश्व में प्रतिव्यक्ति इंटरनेट पर बिताया गया औसत दैनिक समय	170 मिनट
दुनियाभर में सोशल मीडिया पर बिताया गया औसत दैनिक समय	147 मिनट
विश्व में कुल वेब ट्रैफिक में मोबाइल इंटरनेट का हिस्सा	56.89%
उच्चतम मोबाइल इंटरनेट उपयोगकर्ता प्रतिशत वाला देश	बहरीन

भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ता

2020 में विश्व में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या में दूसरे देशों की तुलना में भारत दूसरे स्थान पर रहा जो सिर्फ चीन से पीछे था। मार्च 2020 तक भारत में 749 मिलियन से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता थे। 2040 तक यह आंकड़ा 1.5 बिलियन से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ताओं तक बढ़ने का अनुमान है। जो दक्षिण एशियाई देशों में से भारत इंटरनेट सेवाओं में एक बड़ी बाजार संभावना का संकेत देता है। ग्रामीण एवं शहरी दोनों ही क्षेत्रों में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है, जो लोगों कि इंटरनेट तक पहुँच की गतिशील वृद्धि को दर्शाता है।[6]

2010 से 2020 तक भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या

सन्	इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या (लाखों में)
2010	92.57
2011	125.9

2012	159.9
2013	193.41
2014	251.59
2015	302.36
2016	342.65
2017	422.2
2018	493.96
2019	636.73
2020	749.07

मोबाइल : इंटरनेट उपकरण के रूप में –

देश में कुल इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में से अधिकांश लोग अपने मोबाइल फोन के माध्यम से इंटरनेट का उपयोग करते हैं। स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं की संख्या लगभग उतनी ही है जिनकी कुल इंटरनेट उपयोगकर्ता। भारत में मोबाइल डाटा की सस्ती उपलब्धता, डेस्कटाप और टेबलेट की तुलना में स्मार्टफोन का अधिक उपयोग मोबाइल इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की वृद्धि दर का प्रमुख कारण है। भारत में कुल 749 मिलियन इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में से 744 मिलियन उपयोगकर्ताओं ने मोबाइल फोन के माध्यम से इंटरनेट का उपयोग किया।

कुल इंटरनेट उपयोगकर्ता	मोबाइल फोन संबंधी इंटरनेट
749 मिलियन	744 मिलियन

भारत में मोबाइलफोन द्वारा इंटरनेट उपयोगकर्ता का प्रतिशत –

2020 तक भारत में कुल आबादी के 53 प्रतिशत जनसंख्या द्वारा मोबाइल फोन से इंटरनेट का उपयाग किया गया। अनुमान लगाया गया है कि सन् 2040 तक मोबाइल फोन इंटरनेट

उपयोगकर्ताओं की संख्या करीब 96 प्रतिशत हो सकती है। यह मोबाइल फोन द्वारा इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि का संकेत है।

सन्	प्रतिशत
2010	0.05%
2011	0.19%
2012	0.64%
2013	1.98%
2014	5.74%
2015	12.39%
2016	19.66%
2017	28.25%
2018	35.00%
2019	45.84%
2020	53.92%

भारत में सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ताः–

भारत में 2020 तक कुल सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 622 मिलियन है। जिनमें से पुरूष (सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ता) 58 प्रतिशत तथा महिला (सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ता) 42 प्रतिशत है।[10]

थ्लंग	सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ता
पुरूष	58%
महिला	42%

शहरी सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं का तुलनात्मक प्रतिशत क्रमशः पुरूष 57 प्रतिशत तथा महिला 43 प्रतिशत हैं जबकि ग्रामीण सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं का तुलनात्मक प्रतिशत क्रमशः पुरूष 58 प्रतिशत तथा महिला 42 प्रतिशत है।

क्षेत्र का प्रकार	पुरूष	महिला
शहरी (सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ता)	57%	43%
ग्रामीण (सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ता)	58%	42%

भारत में कुल जनसंख्या में से सिर्फ 1933 मिलियन (43%) जनसंख्या इंटरनेट का उपयोग करती है। जिसमें से कुल नगरीय जनसंख्या में से 485 मिलियन (67%) नगरीय जनसंख्या द्वारा इंटरनेट का उपयोग किया जाता है जबकि कुल ग्रामीण जनसंख्या में से 948 मिलियन (31%) ग्रामीण जनसंख्या द्वारा इंटरनेट का उपयोग किया जाता है।[10]

भारत में कुल इंटरनेट उपयोगकर्ता प्रतिशत	कुल नगरीय जनसंख्या में से इंटरनेट उपयोगकर्ता का प्रतिशत	कुल ग्रामीण जनसंख्या में से इंटरनेट उपयोगकर्ता का प्रतिशत
43%	67%	31%

भारत में सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की कुल संख्या 622 मिलियन (100%) है जिसमें से (52%) 323 मिलियन नगरीय तथा (48%) 299 मिलियन ग्रामीण सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ता है।

कुल सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ता (%)	सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ता नगरीय (%)	सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ता ग्रामीण (%)
100% (622 मिलियन)	52% (323 मिलियन)	48% (299 मिलियन)

भारत में प्रति व्यक्ति इंअरनेट पर बिताया गया औसत समयः–

भारत में दस में से नौ व्यक्तियों द्वारा प्रतिदिन सक्रिय रूप से इंटरनेट का उपयोग किया प्रतिदिन औसत रूप में प्रतिव्यक्ति इंटरनेट पर बिताया गया समय, 107 मिनट था। ग्रामीण एवं नगरीय सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ता द्वारा बिताये गये समय में तुलनात्मक रूप से अंतर पाया गया। नगरीय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं द्वारा ग्रामीण उपयोगकर्ताओं की तुलना में 17% अधिक समय इंटरनेट पर बिताया।[11]

भारत में	नगरीय क्षेत्रों में	ग्रामीण क्षेत्रों में
107 मिनट	115 मिनट	99 मिनट

निष्कर्ष :–

इंटरनेट मानव जीवन का आवश्यक अंग बन गया है। वर्तमान में यह मानव जीवन में उस वक्त की अपेक्षा कहीं अधिक बड़ी भूमिका निभा रहा है, जब इसका आविष्कार हुआ था। यह आवश्यक होने के साथ ही आवश्यकता बन गया है। इसके द्वारा मानव जीवन के कई पहलू जैसे मनोरंजन, संचार एवं संपर्क, शिक्षा, व्यापार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का कार्य आसान हुआ है।

विश्व में इंटरनेट के उद्भव के समय से ही लगातार इसके प्रसार दर में वृद्धि हो रही है। प्रत्येक क्षेत्र में इंटरनेट का उपयोग बढ़ता ही जा रहा है। भारत में इंटरनेट उपयोग वृद्धि की दर लगातार बढ़ रही है। भारत में नगरीय क्षेत्रों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या में साल–दर–साल वृद्धि उल्लेखनीय है। इंटरनेट उपयोगकर्ता की संख्या की दृष्टि से देखें तो भारत चीन के बाद दूसरे नंबर पर है। भारत की आधी आबादी किसी न किसी रूप में इंटरनेट का उपयोग करती है। भारत में नगरीय के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में दस में से नौ सक्रिय रूप से प्रतिदिन संचार एवं मनोरंजन आदि के लिए इंटरनेट का उपयेाग करते हैं।

कोरोना महामारी के दौरान इंटरनेट ने विकास कार्यों के साथ ही प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए उत्प्रेरक का कार्य किया। शिक्षा, विज्ञान, संचार के साथ–साथ डिजिटल भुगतान एंव आनलाइन

खरीददारी में तेजी आयी है। साथ ही भारत में इंटरनेट के गैर–सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं के घटते अनुपात का मतलब है कि इंटरनेट सेवाएं भारत के सभी भौगोलिक क्षेत्रों में पहुॅच रही हैं। इसका मुख्य कारण इंटरनेट डाटा की सस्ती दर एवं आसान उपलब्धता है।

हॉलाकि नगरीय क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्र डिजिटल बुनियादी ढॉचे में काफी पीछे है। नेट कॉमर्स, आनलाइन खरीददारी के मामले में ग्रामीण क्षेत्र तुलानात्मक रूप से नगरीय क्षेत्रों से पिछड़ा हुआ है। फिर भी इंटरनेट उपयोगकर्ता की दर लगातार बढ़ रही है, इंटरनेट की बढ़ती पहुॅच भारत के लिए एक बेहतर कल का वादा करती है। भारत में इंटरनेट के विकास की बड़ी संभावना हैं जिसे प्राप्त किया जा सकता है।

Refrences (संदर्भ ग्रन्थ सूची)

1. https://www.scienceandmediamuseum.org.uk/objects-and-stories./short-history-internet

2. ghosh, S.(2015) the birth of the Internet in India.

Retrived 15 march 2022.

3. www.internertworldstates.com Retrived 15 march 2022.

4. https://www.statista.com/statistics/262966/numberofinternetusers.in selected countries published by Joseph Jhonson 24 march 2022.

5. https://www.statista.com/statistics/748053/worldwide-top-countries-smartphone-users. (Retrived 25 march 2022)

6. https://www.statista.com/statistics/558610/number-of-mobile-internet-user-in-india. (Retrived 25 march 2022).

7. https://www.statista.com/statistics/277125/share-of-website-trafficcoming-from-mobile. (Retrived 15 march 2022)

8. https://www.statista.com/statistics/255146/number-of-internet-user-in-india. (Retrived 15 march 2022)

9. https://acrobat.adobe.com/link/review?uri=urn%3Aaaid%3Ascds%3AUS %3Ab7Fccdb4-5079-3901-b806-b083d11264b3

10. Internet Adoption in India. ICUBC2020 https://acrobat.adobe1/link/review? Uri=urn%3Aaaid%Ascds%3AUS%3Ab7Fccab4-5079-3001-b806-b083d11264b3.

11. Internet adoption in India. ICUBC2020 https://acobat.com/link/review? Poaid%3Aus%3Ab7Fccdb4-5079.